SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल भक्ति के बारे में क्या कहती है? — आधार · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्रवचन

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

भक्ति — मौलिक बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

अब सुनो, भक्ति कहाँ से आरंभ होती है। यह तुम में आरंभ नहीं होती; यह परमेश्वर के वरदान में आरंभ होती है। उसकी दिव्य शक्ति ने हमें वह सब कुछ दे दिया है जो जीवन और भक्ति से संबंधित है — यूनानी शब्द है यूसेबेइया (G2150, भक्ति), धर्मपरायणता, ऐसा जीवन जो परमेश्वर को प्रसन्न करता है। महान और अनमोल प्रतिज्ञाएँ दी गई हैं, ताकि हम दिव्य स्वभाव के सहभागी बनें; शब्द है कोइनोनोस (G2844, सहभागी) — एक हिस्सेदार, एक साझीदार। परन्तु उस शब्द को देखो जो वरदान के बाद आता है: पूरी रीति से प्रयत्न करके इसे बढ़ाओ। यहाँ एक सीढ़ी है। विश्वास पहले खड़ा है; फिर सद्गुण, ज्ञान, संयम, धैर्य — और धैर्य में भक्ति; और भक्ति के ऊपर, भाईचारे की कृपा और प्रेम। हर सीढ़ी परमेश्वर का वरदान है, और बिना प्रयत्न के कोई सीढ़ी नहीं जुड़ती। वरदान का उपयोग किया जाना चाहिए। और यह क्यों दिया गया है? ताकि परमेश्वर की महिमा हो। महिमा के लिए शब्द है दोक्सा (G1391, महिमा) — महिमा जो स्पष्ट रूप से प्रकट है, महिमा जो देखी जाती है: लोगों के सामने चमकती हुई ज्योति, देखे गए भले कार्य, बहुत फल, शरीर और आत्मा उसी की। अब दो परिणाम सुनो। यदि ये बातें तुम में हों और बढ़ती जाएँ, तो तुम न तो निष्फल हो और न ही निष्फल फल वाले। यदि तुम में इनकी कमी है, तो तुम अंधे हो, और भूल गए हो कि तुम शुद्ध किए गए थे। इसलिए अपने बुलाहट और चुनाव को निश्चित करो; ये बातें करो, और तुम कभी नहीं गिरोगे। परन्तु सावधान रहो: अभक्त लोग बिना जाने घुस आए — बिना फल के वृक्ष, दो बार मरे हुए। और राजा ने स्पष्ट रूप से कहा है: बहुत बुलाए जाते हैं, परन्तु थोड़े ही चुने जाते हैं। एक मनुष्य बिना वस्त्र के विवाह में आया, और बाहर फेंक दिया गया; बहुत से भीतर आने का प्रयत्न करेंगे, और समर्थ न होंगे। अब्राहम बुलाया गया, और उसने आज्ञा मानी, और बाहर निकला, यह जाने बिना कि कहाँ जा रहा है। इसलिए इसे निश्चित करो — और बुलाए हुओं का अंत है एक भोज, मेम्ने का विवाह भोज। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. भक्ति कहाँ से आती है, और इसे तुम्हारे विश्वास में कैसे जोड़ा जाता है?
2. जिस व्यक्ति के पास ये बातें हैं, उसके साथ क्या होता है, और जिस व्यक्ति में इनकी कमी है, उसके साथ क्या होता है?
3. आपकी बुलाहट और चुनाव किस प्रकार सुनिश्चित होते हैं, और जो इसे सुनिश्चित करते हैं उनका अंत क्या है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"ईश्वरभक्ति" — **G2150 eusebeia** — धार्मिकता, ईश्वरभक्ति

जीवन और भक्ति से संबंधित सब बातें

"भागीदार" — **G2844 koinonos** — एक साझीदार, भागीदार, साथी, हिस्सेदार
दिव्य स्वभाव के सहभागी

"महिमा" — **G1391 doxa** — महिमा जो अत्यंत प्रकट हो, गौरव, आदर, स्तुति, आराधना
विश्वास में दृढ़, परमेश्वर को महिमा देते हुए

"चुना हुआ" — **G1588 eklektos** — निर्वाचित, चयनित, चुना हुआ
एक चुना हुआ वंश; क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत हैं, परन्तु चुने हुए थोड़े हैं

"अधर्मी" — **G765 asebes** — अधर्मी, ईश्वरहीन, दुष्ट
कुछ भक्तिहीन लोग चुपके से घुस आए हैं

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पहले शब्द को अंतिम के साथ रखें: यूसेबेइया (G2150, ईश्वरभक्ति) और असेबेस (G765, अधर्मी)। अधर्मी व्यक्ति ईश्वरभक्ति शब्द से अपरिचित नहीं है; वह उस शब्द का ही नकार है। इसलिए यहूदा उन्हें उनके नकारने से पहचानता है: एकमात्र प्रभु परमेश्वर को नकारना। ईश्वरभक्ति और अधर्म एक ही माप हैं — एक पूर्ण, दूसरा खाली।)

हिब्रू मुख्य शब्द

"दिखाना" — **H7200 raah** — देखना, प्रकट होना, दिखाना
मैं तुझे उस देश को दिखाऊंगा

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह अध्ययन लगभग पूरी तरह पतरस की यूनानी भाषा में स्थित है; यहाँ इब्रानी केवल एक बुलाहट में एक शब्द है। परमेश्वर ने अब्राम से कहा, वह देश जो मैं तुझे दिखाऊँगा — राआह (H7200, देखना) — और उसे अभी कुछ भी नहीं दिखाया। अब्राहम निकल पड़ा, यह जाने बिना कि वह कहाँ जा रहा है। पहले जाना, फिर देखना: बुलाया हुआ मनुष्य विश्वास से चलता है, न कि दृष्टि से।)

खुलने वाला लंगर

2 पतरस 1:3 क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। **[G2150 eusebeia ⚑]**
क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है.

2 पतरस 1:4 जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ दी हैं ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ। **[G2844 koinonos ⚑]**
ताकि तुम उस अभिलाषा के कारण जो संसार में है, उस से बचकर उलझने से भागकर ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देने पर ध्यान दें: दे दिया है। यह पहले ही हो चुका है। सामर्थ्य उसकी है, और माप है सब वस्तुएँ — जीवन और भक्ति से संबंधित सब कुछ। और प्रतिज्ञाओं के उद्देश्य पर ध्यान दें: कि तुम भागीदार बनो — कोइनोनोस (G2844, भागीदार), एक साझी, एक सहभागी — दैवीय स्वभाव के। परमेश्वर केवल सलाह नहीं देता; वह अपने ही स्वभाव में से देता है। संसार की भ्रष्टता भागीदार के पीछे है, और दैवीय स्वभाव उसके आगे है। इसी आधार पर पूरी सीढ़ी बनाई गई है।)

I. भक्ति गुणों का अभ्यास करने से जोड़ी जाती है — सीढ़ी

A. 2 पतरस 1:5 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ
सारी रीति से प्रयत्न करके अपने विश्वास पर सद्गुण और सद्गुण पर ज्ञान बढ़ाओ।

B. 2 पतरस 1:6 और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज पर भक्ति **[G2150 eusebeia ⚑]**
ज्ञान पर संयम + संयम पर धीरज + धीरज पर भक्ति।

C. 2 पतरस 1:7 और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति, और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम बढ़ाते जाओ।
और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति + और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम बढ़ाते जाओ.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भक्ति न तो पहला कदम है, और न ही अंतिम। यह जोड़ी गई है। विश्वास, सद्गुण, ज्ञान, संयम, धैर्य — और धैर्य में भक्ति: यह उन अनुग्रहों के द्वारा आती है जो इससे पहले चलते हैं, और हर अनुग्रह उससे पहले वाले अनुग्रह से उत्पन्न होकर बढ़ता है। हर एक परमेश्वर का उपहार है, क्योंकि उसकी सामर्थ्य ने सब कुछ दिया है; फिर भी एक शब्द इन सबके शिखर पर खड़ा है: सारी तत्परता से जोड़ो। एक ऐसा उपहार जो काम में न लिया जाए, कुछ भी नहीं जोड़ता। और ध्यान दो कि यह सीढ़ी भक्ति पर जाकर नहीं रुकती: इसके ऊपर भाईचारे की कृपा और प्रेम खड़े हैं।)

II. महिमा के लिए भक्ति — परमेश्वर की महिमा करो

A. मत्ती 5:16 उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें।
भले कामों से परमेश्वर की महिमा करो।

B. रोमियों 4:20 और न आविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की **[G1391 doxa ⚑]**

विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा करो।

C. यूहन्ना 15:8 मेरे पिता की महिमा इसी से होती है, कि तुम बहुत सा फल लाओ, तब ही तुम मेरे चेले ठहरोगे।

फल लाकर परमेश्वर की महिमा करो।

D. 1 कुरिन्थियों 6:20 क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

अपने शरीर और आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भक्ति क्यों दी गई है? यह शब्द हमें बताता है: डॉक्सा (G1391, महिमा) महिमा है जो अत्यंत स्पष्ट है — महिमा जो देखी जाती है। जो उसकी शक्ति ने भीतर दिया है, वह बाहर चमकना चाहिए। इसलिए चार गवाह सहमत हैं: तुम्हारा प्रकाश चमकता है, और लोग तुम्हारे भले कामों को देखते हैं, और तुम्हारे पिता की महिमा करते हैं; अब्राहम — इस अध्ययन का बुलाया हुआ पुरुष — विश्वास में दृढ़ था, परमेश्वर को महिमा देते हुए; पिता बहुत फल में महिमा पाता है; और तुम्हारी देह और तुम्हारी आत्मा परमेश्वर की हैं — दोनों में उसकी महिमा करो। भक्ति छिपाने के लिए नहीं दी गई है: यह देखे जाने के लिए दी गई है, ताकि परमेश्वर की महिमा हो।)

III. ये बातें तुम में, या इनका अभाव

A. 2 पतरस 1:8 क्योंकि यदि ये बातें तुम में वर्तमान रहें, और बढ़ती जाएँ, तो तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की पहचान में निकम्मे और निष्फल न होने देंगी।

यदि ये बातें तुम में हों और बढ़ती जाएं, तो तुम न निकम्मे और न निष्फल रहोगे।

B. 2 पतरस 1:9 क्योंकि जिसमें ये बातें नहीं, वह अंधा है, और धुन्धला देखता है, और अपने पूर्वकाली पापों से धुलकर शुद्ध होने को भूल बैठा है।

जिसमें ये बातें नहीं हैं, वह अंधा है, और भूल गया है कि वह अपने पुराने पापों से शुद्ध हुआ था।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ दो मनुष्य खड़े हैं। एक में ये बातें विद्यमान हैं, और बढ़ती जाती हैं — और वह हमारे प्रभु के ज्ञान में फलवन्त है। दूसरे में इनकी कमी है — और यह कमी उसे अंधा बना देती है: वह दूर की वस्तुएँ नहीं देख सकता, और वह भूल गया है कि वह अपने पुराने पापों से शुद्ध किया गया था। ध्यान दो कि पतन कहाँ से आरम्भ होता है: इनकार करने से नहीं, वरन भूल जाने से। उसने पहले अपने शुद्ध किए जाने को भुला दिया; इनकार बाद में आता है।)

IV. अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करो

A. 2 पतरस 1:10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे;

और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ → तो कभी भी ठोकर न खाओगे.

B. 2 पतरस 1:11 वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे।

अनन्त राज्य में बहुतायत से प्रवेश दिया जाएगा।

C. रोमियों 8:29 क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत भाइयों में पहलौठा ठहरे।

अपने पुत्र के स्वरूप के अनुरूप बनाए गए।

D. 1 पतरस 2:9 पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और परमेश्वर की निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अंधकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। (निर्ग. 19:5,6, व्यव. 7:6, व्यव. 14:2, यशा. 9:2)
[G1588 eklektos ⚑]

उसके गुण प्रगट करो। (निर्ग. 19:5,6, व्यव. 7:6, व्यव. 14:2, यशा. 9:2.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बुलावा परमेश्वर का है: उसने पहले से जान लिया, उसने पहले से ठहराया, उसने तुम्हें अंधकार से बुलाया। और फिर भी पतरस कहता है, अपने बुलावे और चुनाव को दृढ़ बनाओ। यह शब्द है एकलेक्टॉस (G1588, चुना हुआ) — चयनित, चुना हुआ, निर्वाचित: तुम एक चुनी हुई पीढ़ी हो; परिश्रम करो कि यह तुम में दृढ़ हो। और कैसे? यदि तुम ये बातें करते हो — सीढ़ी की बातें। तब अंत संदेह में नहीं है: तुम कभी नहीं गिरोगे, और प्रवेश भरपूर मात्रा में दिया जाएगा। और मनुष्य किस लिए बुलाया गया है? अपने पुत्र के स्वरूप में ढाला जाने के लिए, और उसकी स्तुति का वर्णन करने के लिए जिसने उसे बुलाया।)

V. चेतावनी — भक्तिहीन मनुष्य चुपके से घुस आए

A. यहूदा 1:4 क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनसे इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले ही से लिखा गया था: ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।
[G765 asebes ⚑]

दुष्ट लोग चुपके से आ मिले, जो हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते हैं, और प्रभु को नकारते हैं।

B. यहूदा 1:12 यह तुम्हारे प्रेम-भोजों में तुम्हारे साथ खाते-पीते, समुद्र में छिपी हुई चट्टान सरीखे हैं, और बेधड़क अपना ही पेट भरनेवाले रखवाले हैं; वे निर्जल बादल हैं; जिन्हें हवा उड़ा ले जाती है; पतझड़ के निष्फल पेड़ हैं, जो दो बार मर चुके हैं; और जड़ से उखड़ गए हैं; (2 पत. 2:17, इफि. 4:14, यूह. 15:4-6)

पतझड़ के निष्फल पेड़ हैं, जो दो बार मर चुके हैं; और जड़ से उखड़ गए हैं; (2 पत. 2:17, इफि. 4:14, यूह. 15:4-6.

C. इब्रानियों 6:11-12 पर हम बहुत चाहते हैं, कि तुम में से हर एक जन अन्त तक पूरी आशा के लिये ऐसा ही प्रयत्न करता रहे। (12) ताकि तुम आलसी न हो जाओ; वरन् उनका अनुकरण करो, जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं।

अंत तक तत्परता दिखाओ + विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं को प्राप्त करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — असेबेस (G765, अधर्मी) यूसेबेइया (G2150, भक्ति) के विपरीत है: अश्रद्धालु, अभक्त — भक्ति का इनकार। और ये लोग कहाँ हैं? बाहर नहीं, बल्कि भीतर: बिना जाने घुस आए, तुम्हारे प्रेम-भोज में कलंक। यहूदा के वृक्षों को फल के वचन के सामने रखो: पिता बहुत फल में महिमा पाता है, और ये वृक्ष बिना फल के हैं, जिनका फल मुरझा जाता है — दुबारा मरे हुए, जड़ से उखाड़े गए। इनके विरुद्ध उपाय पर ध्यान दो: केवल भय ही नहीं, बल्कि वही परिश्रम, अंत तक — आलसी नहीं, बल्कि उनके अनुयायी जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं।)

दो के मुख से — बुलाया जाना पर्याप्त नहीं है; इसे निश्चित बनाओ

A. मत्ती 22:11-14 "जब राजा अतिथियों को देखने को भीतर आया; तो उसने वहाँ एक मनुष्य को देखा, जो विवाह का वस्त्र नहीं पहने था। **[G1588 eklektos ⚑]** (12) उसने उससे पूछा, 'हे मित्र; तू विवाह का वस्त्र पहने बिना यहाँ क्यों आ गया?' और वह मनुष्य चुप हो गया। (13) तब राजा ने सेवकों से कहा, 'इसके हाथ-पाँव बाँधकर उसे बाहर अंधियारे में डाल दो, वहाँ रोना, और दाँत पीसना होगा।' (14) क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।"

क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं.

B. लूका 13:24 "सकेत द्वार से प्रवेश करने का यत्न करो, क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि बहुत से प्रवेश करना चाहेंगे, और न कर सकेंगे।

सकेत द्वार से भीतर जाने का यत्न करो; क्योंकि बहुत खोजेंगे, और भीतर न जा सकेंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दोनों को साथ रखिए, और छोटे से अंतर को हमें सिखाने दीजिए। मत्ती में वह मनुष्य भीतर आया — बुलाया गया, और विवाह में आ चुका था — फिर भी उसने विवाह का वस्त्र नहीं पहना था, और उसे बाहरी अंधकार में डाल दिया गया। लूका में बहुत से भीतर आते ही नहीं: वे भीतर आने का प्रयत्न करते हैं, और समर्थ न होंगे। बुलाया जाना पर्याप्त नहीं है, और प्रयत्न करना पर्याप्त नहीं है: वस्त्र तुम पर होना चाहिए, और द्वार के लिए संघर्ष करना चाहिए। यही राजा का अपना वचन है जो पतरस के वचन के पीछे है — अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करने के लिए प्रयत्न करो। और अंतिम पंक्ति इसका सार है: बहुत बुलाए जाते हैं, परन्तु चुने हुए थोड़े हैं — एक्लेक्टोस (G1588, चुना हुआ), वही शब्द जो चुनी हुई पीढ़ी के लिए लिखा गया है।)

C. सभोपदेशक 4:12 यदि कोई अकेले पर प्रबल हो तो हो, परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे। जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती।

परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे + जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती.

छाया और पूर्णता — अब्राहम की बुलाहट

Shadow उत्पत्ति 12:1 यहोवा ने अब्राम से कहा, "अपने देश, और अपनी जन्म-भूमि, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा। (प्रेरि. 7:3, इब्रा. 11:8)

अब्राम को बुलाया गया: अपने देश से निकलकर उस देश में जा, जो मैं तुझे दिखाऊंगा।

Fulfillment इब्रानियों 11:8 विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे विरासत में लेनेवाला था, और यह न जानता था, कि मैं किधर जाता हूँ; तो भी निकल गया। (उत्प. 12:1)

विश्वास से इब्राहीम ने, जब बुलाया गया, तो आज्ञा मानकर बाहर निकल गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मूसा बुलावे को बताता है; पत्री बताती है कि बुलाए गए मनुष्य ने उसके साथ क्या किया: उसने आज्ञा मानी, और निकल गया, यह न जानते हुए कि वह कहाँ जा रहा है। परमेश्वर ने कहा, एक ऐसा देश जो मैं तुझे दिखाऊँगा — राआह (H7200, देखना) — और उसे अभी तक कुछ भी नहीं दिखाया था। पहले जाना, फिर देखना। यहाँ एक बुलावा है जो निश्चित बनाया गया है: बुलाया गया मनुष्य जाता है। और वही अब्राहम, विश्वास में दृढ़ होकर, परमेश्वर की महिमा करता रहा। जो बुलाया गया मनुष्य आज्ञा मानता है वह एक भोज की ओर चलता है।)

समापन

2 पतरस 1:11 वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे।

अनन्त राज्य में प्रवेश।

प्रकाशितवाक्य 19:9 तब स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, "यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के विवाह के भोज में बुलाए गए हैं।" फिर उसने मुझसे कहा, "ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं।"

धन्य हैं वे, जो मेम्ने के विवाह के भोज में बुलाए गए हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ पूरा अध्ययन एक पंक्ति में है: भक्ति, यूसेबेइया (G2150, godliness), उसकी दिव्य शक्ति के द्वारा दी जाती है — जो कुछ इससे संबंधित है वह पहले से ही दिया जा चुका है — और यह सारी लगन दिखाकर, एक अनुग्रह से दूसरे अनुग्रह तक, बढ़ाई जाती है, जब तक कि परमेश्वर तुम्हारे कामों में, तुम्हारे विश्वास में, तुम्हारे फल में, तुम्हारी देह में और तुम्हारी आत्मा में महिमा न पाए। ये बातें तुम में होकर तुम्हें फलवन्त बनाती हैं; इनकी कमी तुम्हें अंधा बना देती है। भक्तिहीन लोग चुपके से आ घुसे, बिना फल के पेड़, दो बार मरे हुए — परन्तु तुम, अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करने के लिए पूरी लगन दिखाओ, क्योंकि बुलाया जाना ही पर्याप्त नहीं है: वस्त्र पहना होना चाहिए, द्वार के लिये संघर्ष करना चाहिए। अब्राहम बुलाया गया, और उसने आज्ञा मानी, और निकल गया। ये बातें करो, और तुम कभी न गिरोगे; तुम्हारे लिये भरपूर प्रवेश दिया जाएगा, और धन्य हैं वे जो मेम्ने के विवाह भोज के लिये बुलाए गए हैं — वे अब्राहम के साथ बैठेंगे, वह बुलाया गया मनुष्य जिसने आज्ञा मानी। ये परमेश्वर के सच्चे वचन हैं।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. 2 पतरस 1:3 — जैसे उसकी दैवी शक्ति ने वे सारी वस्तुएं जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखती हैं, हमें दे दी हैं इसके सम्बन्ध में:
a) महिमा और सद्गुण
b) जीवन और भक्ति
c) विश्वास और धैर्य

2 पतरस 1:6 — और धीरज पर:
a) भक्ति
b) भाईचारे की कृपा
c) संयम

3. यूहन्ना 15:8 — मेरे पिता की महिमा इसी से होती है, कि तुम:
a) विश्वास में दृढ़ हैं
b) अच्छे कार्य करना
c) बहुत फल लाना

4. 2 पतरस 1:9 — परन्तु जिस में ये बातें नहीं, वह:
a) अंधा है, और दूर की नहीं देख सकता
b) बंजर, और निष्फल
c) प्रवेश करने में असमर्थ

5. 2 पतरस 1:10 — क्योंकि यदि तुम ये काम करोगे, तो तुम कभी:
a) प्रतिज्ञाओं का वारिस होना
b) कभी न गिरना
c) दूर तक देखना

6. यहूदा 1:12 — निष्फल वृक्ष जिनके फल गिर गए हैं, दो बार मरे हुए, जड़ से उखड़े हुए:
a) हवाओं से इधर-उधर उड़ाए जाना
b) बाहरी अंधकार में डाल दिया जाना
c) जड़ों से उखाड़ दिया गया

7. इब्रानियों 11:8 — विश्वास ही से अब्राहम ने जब बुलाया गया, तो आज्ञा मानकर आगे बढ़ा, कि जो स्थान उसे मीरास में मिलनेवाला था उसे जा लेगा; और वह बाहर तो निकल पड़ा, पर यह नहीं जानता था कि किधर जाता हूं:
a) उस देश की ओर जिसे उसने देखा था
b) यह न जानते हुए कि वह कहाँ जा रहा था
c) उसके कुटुम्बियों, और उसके पिता के घराने के साथ

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-a, 5-b, 6-c, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

सीढ़ी कैसे आरंभ होती है: अपने विश्वास में जोड़ो (2 पतरस 1:5) — और विश्वास सुनने से, और सुनना परमेश्वर के वचन से होता है (रोमियों 10:17)।

→वस्त्र किस प्रकार दिया जाता है: एक मनुष्य ने विवाह का वस्त्र नहीं पहना था (मत्ती 22:11) — परन्तु दुल्हिन को यह दिया गया कि वह शुभ्र और स्वच्छ मलमल पहिने रहे: क्योंकि यह मलमल पवित्र लोगों की धार्मिकता है (प्रकाशितवाक्य 19:8) — वस्त्र और भोज साथ-साथ खड़े हैं (प्रकाशितवाक्य 19:8-9)।

बुलाए हुए कैसे चुने हुए बनते हैं: बहुत हैं जो बुलाए जाते हैं, पर थोड़े हैं जो चुने जाते हैं (मत्ती 22:14) — और जो उसके साथ हैं, वे बुलाए हुए, और चुने हुए, और विश्वासी हैं (प्रकाशितवाक्य 17:14)।

अब्राहम की यात्रा का अंत ऐसे होता है: वह निकल तो पड़ा, परन्तु यह न जानता था कि कहाँ जाता है (इब्रानियों 11:8) — क्योंकि वह उस नगर की खोज में था जिसकी नींव पड़ी हुई है, जिसका रचनेवाला और बनानेवाला परमेश्वर है (इब्रानियों 11:10)।

कितना फल लगता है: इसी से मेरे पिता की महिमा होती है, कि तुम बहुत फल लाओ (यूहन्ना 15:8) — जो मुझ में बना रहता है वह बहुत फल लाता है: क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते (यूहन्ना 15:5)।

राज्य कैसे दिया जाता है: अनन्त राज्य में बहुतायत से प्रवेश करने दिया गया (2 पतरस 1:11) — हे छोटे झुंड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को अच्छा लगा, कि राज्य तुम्हें दे (लूका 12:32)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).